जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 136
दिनांक 03.11.2015

''मृदा स्वास्थ्य का जलवायु अनुकूल प्रबंधन''
21 दिवसीय कृषि वैज्ञानिकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन

जबलपुर 03 नवम्बर। जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग में 14 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2015 तक सेन्टर ऑफ एडवांस्ड फेकल्टी ट्रेनिंग (केफ्ट) के अंतर्गत ''मृदा स्वास्थ्य का जलवायु अनुकूल प्रबंधन'' विषय पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इसमें 09 राज्यों के 23 कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

समापन अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. विजय सिंह तोमर, कुलपति ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज विश्वस्तर पर समगतिशील खेती हेतु मृदा का स्वस्थ बनाये रखना एवं स्वस्थ्य बायोस्फियर एवं राइजोस्फियर अति महत्वपूर्ण है। डॉ. एस.के.राव संचालक अनुसंधान सेवायें ने 21 दिवसीय महत्वपूर्ण ट्रेनिंग के दौरान बाहर से आये वैज्ञानिकों को बधाई दी एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक अनुसंधान सेवाऐं डॉ. एस.के.राव ने कृषि वैज्ञानिकों को नई तकनीक व जानकारी को अपने–अपने राज्यो में कृषि को एवं शिक्षा में उपयोग करने पर जोर दिया इस दौरान डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं डॉ. जी. एस.राजपूत, संचालक शिक्षण आदि ने अपने विचार दिये।

21 दिवसीय प्रशिक्षण की पूर्ण जानकारी केफ्ट संचालक एंव मृदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. रावत द्वारा दी गई। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल, एवं धन्यवाद डॉ. ए.के. द्विवेदी द्वारा किया गया।

डॉ. ए.के. रावत केफ्ट संचालक द्वारा बताया गया कि मृदा विज्ञान विभाग में इस प्रकार का प्रशिक्षण लगातार विगत 20 वर्षो से प्रति वर्ष होता आ रहा है एवं यह 29 वाँ प्रशिक्षण था जिसमें विभिन्न विषयों के 09 राज्यों गुजरात, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, जम्मू–कश्मीर, पंजाब, आंध्रप्रदेश व बिहार के 23 प्रशिक्षिथयों ने भाग लिया। इस दौरान सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक व्याख्यान दिये गये, प्रशिक्षण के दौरान भारत के विभिन्न कृषि वि.वि. एवं संस्थाओं के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों द्वारा जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में कृषि में उपयोगी सूक्ष्म जीवों की महत्ता, जैविक खेती, संतुलित खाद का प्रयोग, प्राकृतिक संसाधनो का टिकाऊ उपयोग एवं सूक्ष्म पोषक तत्व मृदा का सही व संतुलित उपयोग विशयों पर व्याख्यान दिये गये, एवं स्टडी भ्रमण के दौरान जबलपुर की जैव विविधता को जानने हेतु विश्व प्रसिद्ध भेड़ाघाट, बरेला मंदिर, बीसा फार्म, राष्ट्रीय खरपतवार अनुसंधान केन्द्र, औशधीय उधान, जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र, गोबर गैस प्लांट पनागर, बरगी बांध एवं अन्य प्राकृतिक स्थानों का भ्रमण कराया गया।

21 दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षार्थियों में से डॉ. विजय कुमार पाटिल, राऊरी महाराष्ट्र, डॉ. आनंद कुमार गुप्ता देहरादून, डॉ. मलिक आसिफ अजिज कारगिल द्वारा अपने अनुभव व्यक्त किये एवं इस प्रशिक्षण की सराहना की।

समापन के दौरान ट्रेनिंग का कम्पेडियम का विमोचन एवं सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभाग के सभी तकनीकी व कार्यालय के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। जिसमें डॉ. बी. सच्चिदानन्द, डॉ. एन. जी. मित्रा, डॉ. ए.के. द्विवेदी, डॉ. एच.के.राय, डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. जी. एस. टेगौर, डॉ. बी.एस. द्विवेदी, फूलचंद अमूले, अभिषेक शर्मा एवं रोहित पांडे एवं विभागीय सभी कर्मचारियों का अति विशेष योगदान रहा।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 137
दिनांक 14.11.2015

कृषि वि.वि. में कुलपति ने झाड़ू लगाकर की स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत

जबलपुर, 14 नवम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने पं. जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा में मल्यार्पण के उपरान्त झाड़ू लगाकर स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की। इनके साथ कुलसचिव श्री राजेश पालीवाल, अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान डॉ. एस.के. राव, संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. मिश्रा, प्रभारी अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. आर.के. वर्मा, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. देवकान्त, लेखानियंत्रक श्रीमति सुशीला गुप्ता, कार्यपालन यंत्री इंजी. पी.के. सिंह अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र–छात्राओं ने भी झाड़ू लगाकर लगातार 2 घन्टे तक विश्वविद्यालय परिसर, कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, छात्रावास, टीचर्स हास्टल सहित लगभग 2 कि.मी. क्षेत्र की निरन्तर सफाई कर स्वच्छता अभियान को सार्थक बनाया। इसके पूर्व कुलपति ने शपथ ग्रहण करवाई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी ने किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 138
दिनांक 17.11.2015

जैविक खेती से चमत्कारी परिणाम आयेंगे – प्रो. तोमर
अब ठोस नहीं तरल रूप में मिलेगी खाद

जबलपुर, 17 नवम्बर। जैविक खेती से भविष्य में चमत्कारी परिणाम आयेंगे। इसमें जैविक खेती का महत्वपूर्ण योगदान होगा क्योंकि रासायनिक खाद से मृदा पर विपरीत असर पड़ा है। **अब तक खाद किसान को ठोस रूप में मिल रही थी किन्तु भविष्य में अब जल्दी ही आधुनिक कृषि तकनीक से तरल रूप में बोतलों में खाद मिलेगी। यह खाद मृदा की सेहत बनाने में पूर्णतः सक्षम और सार्थक होगी। इस खाद की कम मात्रा अधिक भूमि को उर्वरा बनायेगी। जनेकृविवि ने इसका उत्पादन शुरू कर दिया है।** तदाशय के सारगर्भित और प्रेरक उदगार कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने जनेकृविवि में जैविक खाद व्यवसाय प्रबंधन पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुये मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किये।

विश्वविद्यालय की बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेवलपमेन्ट यूनिट द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में 30 प्रशिक्षणार्थी एवं कृषि छात्र शामिल हैं। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कोर्स डायरेक्टर, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर तथा संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. एस. कोटेश्वर राव ने प्रशिक्षण की महत्ता प्रतिपादित करते हुये कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय की जैविक खाद इकाई विस्तृत रूप लेकर सामने आयेगी। जिससे कृषक और कृषि को खासा लाभ होगा।

इस मौके पर प्रभारी जैव उर्वरक उत्पादन इकाई डॉ. बी. साच्चिदानंद, अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता आदि ने जैव उर्वरक के महत्व, उत्पादन, उद्यम, फसलोत्पादन एवं आधुनिक कृषि तकनीक की जानकारी में बताया कि नौजावान और कृषकगण जैविक खेती और जैवित खाद उत्पादन को व्यवसाय के रूप में अपनाकर कृषि को लाभ का धन्धा बनाकर अच्छा मुनाफा कामा सकते हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. ए.के. रावत, डॉ. एन.जी. मित्रा, डॉ. ए.आर. वासनीकर, डॉ. जी.के. कौतू, डॉ. आर.एस. शुक्ला तथा बिजनेस एसोसिएट कु. लवीना शर्मा, दीपक पाल एवं जय वर्मा का विशेष योगदान रहा। 30 नवम्बर को बिजनेस प्लानिंग एण्ड डेवलपमेन्ट यूनिट में प्रशिक्षण का समापन होगा।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 139
दिनांक 18.11.2015

डॉ. पी.के. मिश्रा कृषि विवि के अधिष्ठाता कृषि संकाय बने पदभार ग्रहण कर कार्यभार संभाला

जबलपुर, 18 नवम्बर। महामहिम राज्यपाल राजभवन भोपाल एवं कुलाधिपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा डॉ. पी.के. मिश्रा को जनेकृविवि का अधिष्ठाता कृषि संकाय नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही डॉ. मिश्रा संचालक विस्तार सेवाएं के पद पर भी रहेंगे। उल्लेखनीय है कि कुलपति और अधिष्ठाता कृषि संकाय की नियुक्ति सीधे राजभवन भोपाल द्वारा की जाती है। डॉ. मिश्रा ने अधिष्ठाता कृषि संकाय का पदभार ग्रहण कर कार्य आरम्भ कर दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने उन्हें मुबारकबाद पेश की। ज्ञात हो कि डॉ. पी. के. मिश्रा ने अपनी सम्पूर्ण कृषि शिक्षा जनेकृविवि से ही अर्जित की है। तदोपरान्त उन्होंने शिक्षक, वैज्ञानिक, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव एवं अधिष्ठाता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य सम्पादित कर संस्था के प्रति समर्पण, सक्रियता और अपनी योग्यता साबित की है।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 142
दिनांक 20.11.2015

कृषि विवि के कुलपति प्रो. तोमर को लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड

जबलपुर, 20 नवम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर को लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड उन्हें गोविन्द्र वल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पन्तनगर के 55वें स्थापना दिवस पर एल्युमिनाई संगठन द्वारा प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने अपने 44 वर्षों के अनुकर्णीय कार्यकाल में कृषि शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार और संगठनात्मक आदिक क्षेत्र में असाधारण कार्य सम्पादित किये हैं। उन्हें जहां अनेक राष्ट्रीय और प्रादेशिक अवार्डो से सम्मानित किया जा चुका है वहीं उनकी अनुसंधानात्मक पुस्तकें एवं आलेख राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय तकनीकी जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। वर्तमान में उनके कुलपतित्व कार्यकाल में जनेकृविवि का नाम राष्ट्रीय क्षितिज पर चमक रहा है और निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 143
दिनांक 23.11.2015

कृषि विवि को पेंशन के लिये मिले 10 करोड़
पेंशन हेतु सेंट्रल बैंक से करार

जबलपुर 23 नवम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय को मध्यप्रदेश शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा प्रथम अनुपुरक अनुदान में आयोजनेत्तर मद के अन्तर्गत स्ववित्तीय पेंशन हेतु 10 करोड़ रूपये की पहली किश्त जारी की गई है। गौरतलब है कि विवि में विगत अनेक वर्षो से पेंशन को लेकर मांग की जा रही है और समय–समय पर धरने आदि का माहौन बना रहा। किन्तु कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन में विधिवत कागजात तैयार कर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश शासन के समक्ष पेश किये गए एवं शासन स्तर पर निरन्तर प्रयास किये गए। परिणामतः एक लम्बी और मेहनतकश कवायद के बाद अन्ततः प्रदेश शासन ने भोपाल में सम्पन्न कैबिनेट बैठक में विवि हेतु स्ववित्तीय पेंशन योजना हेतु निर्णय कर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। घोषणा के फलितार्थ विश्वद्यिालय के 50 वर्षो के इतिहास में पहली बार पेंशन मद में उक्त राशि विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई है। भविष्य में किश्तों के रूप में यह राशि लगातार प्राप्त होती रहेगी।

सेंट्रल बैंक के माध्यम से मिलेगी पेंशन– जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से मासिक पेंशन के भुगतान हेतु एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया है। भविष्य में पेंशन का भुगतान इस बैंक की किसी भी शाखा से किया जा सकेगा। पेंशनरों को इस बैंक में खाता खुलवाने हेतु अनुरोध किया गया है। ताकि उन्हें समय पर पेंशन सुविधापूर्वक प्राप्त हो सके।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 144
दिनांक 27.11.2015

कृषि विवि में
मशरुम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर 27 नवम्बर। जबलपुर जवाहललाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ''मशरुम उत्पादन तकनीक'' पर ग्रामीण युवाओं एवं नवयुवतियों हेतु 10 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. डी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य प्रशिक्षिका के रुप में गृह विज्ञान की विशेषज्ञा डॉ. रश्मि शुक्ला के द्वारा मशरुम उत्पादन तकनीक की सैद्धानिक व व्यवहारिक जानकारी दी गई। डॉ. शुषमा नेमा ने मशरुम उत्पादन हेतु भूसे का उपचार अन्य रोग कारकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में बटन मशरुम, आयस्टर मशरुम की उत्पादन तकनीकी के साथ ही प्रसंस्करण तकनीक की भी जानकारी प्रशिक्षणर्ीयों को दी गई।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा ने बाजार व्यवस्था एवं बाजार की उपलब्धता की जानकारी युवाओं को दी। कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. डी.पी. शर्मा ने इस प्रशिक्षण को स्व–रोजगार के लिए कारगर बताया तथा भविष्य में इस तरह के प्रशिक्षणों का आयोजन केन्द्र के माध्यम से करते रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मोनी थामस, डॉ. एस.बी. अग्रवाल, डॉ. वाय. एम शर्मा, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. ऋचा सिंह एवं डॉ. प्रमोद शर्मा उपस्थित रहें साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थीयों को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डी.के. सिंह एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रश्मि शुक्ला ने किया गया।

–000–